संघर्ष के ऐस्ट्रोटर्फ पर

सुरेन्द्र स्निग्ध

संघर्ष के ऐस्ट्रोटर्फ पर

पढ़ना ही ज़िंदगी है

सुरेंद्र स्निग्ध

अनुक्रम

हमेशा जवान है हमारा प्यार	5
उग आया वटवृक्ष	11
माँ का दिल	15
तुम्हारे लिए प्यार भेजता हूँ	18
क्रांतिकारी दोस्तों के नाम	21
मिस मारिया	24
क्यों इतना प्यार	32
दोपहर की उजली किरन	34
गेटवे ऑफ इंडिया से सूर्यास्त	38
कोलंगुट में सूर्यास्त	42
सुकनी की आँखों का सूरज	46
कविता के सपने	55
जहाँ कोई दोस्त नहीं हो	60
मैंने यह नहीं लिखा था	62
माँ, कामरेड और दोस्त	64
चाँद की पूरी रात में	70
थिरकता हुआ हरापन	73
सागर स्नान	76
शब्द और रंग	79
एक उजली हँसी	82
मछलियाँ मनाती हैं अवकाश	84
संगीत का जाल	86
डोंगी	88
फूल अनगिन प्यार के	90
इन्हीं फूलों के लिए	92
साँसों के धागे	94

अभी तो लौट जा	95
उपहार	96
अगस्त के बादल	97
तुम हो बादल, तुम बरस रही हो	98
निरंतर बज रहा हूँ	99
रोशनियों का सैलाब	100
देह का संगीत	101
जीवन का अस्तित्व	102
कर लें मौत-प्रतीक्षा	104
पहाड़, जंगल, जलस्त्रोत और अपना प्यार	105
सपनों का रंग-विरंगा मौसम	106
हमारा प्यार	108
बचा रहे सिर्फ एक बीज	110
मजबूत पुट्ठों वाला घोड़ा	112
प्रेमः एक दुर्गम पहाड़	115
इस अनजान शहर में	118
लाल छतरी वाली बुढ़िया	121
फटी बाँहों का फ्राक वाली लड़की	124
ब्रह्माण्ड की रचना	127
कोसी का कौमार्य	129
चरवाहा	133
देह में उगते मजबूत डैने	136
अंतिम एकांत	140
यात्रा का रहस्य	142
खोज	146
गहरी नींद के लिए अनंत की ओर	149
टहल बूल रही है नींद	152
कितनी प्यारी है नींद	154

नींद की झीनी दीवार 155
मोटी परत वाली नींद 158
जागो मेरे साथ 159
ओ नींद...ओ नींद... 161
नींद हो गई है भारी 163
नींद के आर-पार 165
कविता और प्रेमिका को चाहिए एकांत 166
नींद की चौड़ी नदी 168
छलक गयीं मेरी आँखें 171
दिल्ली बहुत दुख देती है 174
बदलों के जंगल में 177
गहरे और हरे समुद्र में 180
दृश्यांतर 182

हमेशा जवान है हमारा प्यार

तुम्हारे
धान के खेत की गीली मिट्टी जैसे
हृदय में
हमने रोपा है प्यार
रोपा है बार-बार

गीली मिट्टी में
धंसे हैं
हमारे खुरदुरे पैर
नापी है
धरती की कोख की गहराई
निकाली है
व्यापक सौंधी गंध
गंध जिसने सिर्फ
पुरवा बयार को गदराया है
बल्कि नन्हें सूरज को भी ललकारा है
उठो/जागो/बढ़ो
अंधकार के गर्त से बाहर
आजाद

तभी तो
दहकते सूरज ने
सबसे पहले हमारे प्यार को दिया है
अपनी पहली किरन का जुझारू उपहार
चमकते चाँद ने परोसा है
कौंधती चाँदनी का उदार दूध्